>

Title: Need to take steps to ban cow slaughter in the country.

श्री वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): महोदय, गाय हमारे देश की संस्कृति और अर्थव्यवस्था का मूल आधार है किंतु आज हमारे देश में गोरक्षा के लिए जागरूकता लाने की आवश्यकता है। प्रायः देखा जाता है कि गाय जब तक दूध देती है तब तक लोग उसके दाना-पानी की व्यवस्था करते रहते हैं किंतु जब वे दूध देना बंद कर देती हैं तब उसे भाग्य भरोसे छोड़ देते हैं। ये गायें भूख प्यास से व्याकुल होकर कहीं पॉलिथीन तो कहीं रास्ते के कचरे के ढेर पर पड़ी सड़ी गली वस्तुओं को खाकर और फिर चिकित्सा के अभाव में बीमार होकर तड़प-तड़प कर मरने को मजबूर हो जाती हैं। भारत के यांत्रिक कत्लखानों में ये मासूम गायें निर्ममतापूर्वक काटी जा रही हैं। भारत में लोगों की आबादी बढ़ी है किंतु उसी गति से पशुओं की संख्या घटी है। यही हाल रहा तो वो दिन दूर नहीं है, जब भारत देश भी अपने पड़ोसी बांग्लादेश व पाकिस्तान की तरह गोवंश विहीन देशों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अभी भी हमारे देश में श्रेष्ठ गायों की कई प्रजातियां खत्म हो गयी हैं। जबकि सर्वाधिक भारतीय गाय ब्राजील में पायी जाती हैं। 1880 के आस-पास प्रवासी भारतीय अपने साथ भारतीय गायों को लेकर गए थे। आज ब्राजील विश्व में अन्य देशों को भारतीय नस्ल की गायों का निर्यात करता है। जर्मन वैज्ञानिक डा. जोजस बेल्ज लिखते हैं कि गोवंश यदि गांवों में नहीं रहेगा तो 10 से 20 करोड़ लोग प्रति वर्ष गांव से शहर में पलायन कर जाएंगे। इज़राइल ने गीर नस्ल की भारतीय गाय से 120 लीटर दूध प्रतिदिन उत्पादन कर साबित कर दिया है कि भारतीय नस्ल की गाय सर्वश्रेष्ठ गाय है। इस गाय का नाम गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। गाय एक चलता-फिरता औषधालय है जिसका दूध इंसान को स्वस्थ व दीर्घायु बनाता है, वहीं इसका मूत्र और गोबर तक मानव हित में उपयोग होता है। कोई भी शुभ कार्य गाय के गोबर से लीपकर, चौक बनाकर ही किया जाता है।

अतः केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि पशुधन बचाने के लिए यांत्रिक कत्लखाने पर प्रतिबंध गोमांस निर्यात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने तथा गोसंरक्षण हेतु गोशालाओं की संख्या में वृद्धि करवाने का सहयोग करें।...(व्यवधान)